कार्यानुसार मजदूरी के गुण,

Merits of Piece Wages)

कार्यानुसार मजदूरी भुगतान रीति के प्रमुख गुण निम्नलिखित हैं -

1. न्यायपूर्ण भुगतान - कार्यानुसार मजदूरी का भुगतान न्यायपूर्ण एवं उचित है, क्योंकि इसके अन्तर्गत मजदूरी का भुगतान श्रमिक की कार्य-क्षमता के आधार पर किया जाता है। अधिक कार्य करने वाले को अधिक मजदूरी तथा कम कार्य करने वाले श्रमिक को कम मजदूरी प्राप्त होती है।

2. कार्यकुशलता में वृद्धि - इस रीति से मजदूरी के भुगतान से श्रमिकों की कार्य-क्षमता एवं कुशलता में सुधार होता है। मजदूरी कार्य की मात्रा के आधार पर दी जाती है, अतः प्रत्येक श्रमिक कम से कम समय में अधिक से अधिक कार्य करने का प्रयास करता है। इससे श्रमिकों की कार्य-क्षमता एवं कार्य-कुशलता में वृद्धि होने लगती है।

3. उत्पादन लागत में कमी - इस रीति के अन्तर्गत कम से कम समय में अधिक से अधिक कार्य श्रमिक द्वारा किया जाता है, इससे उत्पादन बढ़ता है तथा सेवायोजक को श्रमिकों के निरीक्षण एवं प्रबन्ध आदि पर अनावश्यक खर्च भी नहीं करना पड़ता है। इससे प्रति इकाई लागत अर्थात् औसत लागत घटने लगती है इससे उपभोक्ताओं को सस्ती वस्तुएँ उपलब्ध होने लगती हैं।

4. जीवन स्तर में सुधार - इस रीति के अन्तर्गत श्रमिक अधिक कार्य करके अधिक कमा सकता है। अतः श्रमिक अधिक कार्य करके अपनी आय बढ़ाने का प्रयास करता है। इससे उसके जीवन स्तर में सुधार आता है।

5. औद्योगिक संघर्ष में कमी - इस रीति को अपनाने से मालिक-मजदूर के मध्य संघर्ष की सम्भावना कम हो जाती है। सेवायोजक इसलिए सन्तुष्ट रहता है, क्योंकि उत्पादन अधिक होता है तथा श्रमिक इसलिए सन्तुष्ट रहता है, क्योंकि उसे पर्याप्त मजदूरी प्राप्त हो जाती है।

इस परिस्थितियों में औद्योगिक ~~संघ~~ संघर्ष की गुन्जाइश नहीं रहती। कार्यानुसार मजदूरी के अन्तर्गत श्रमिक द्वारा किए गए कार्य की मात्रा तथा मजदूरी के बीच धनात्मक सह-सम्बंध पाया जाता है।